Regarding alleged police atrocities on Dalit community in Uttar Pradesh

श्री धर्मेन्द्र यादव (आज़मगढ़) : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण विषय सदन में उठाना चाहता हूं । आज पूरे देश के दलित समुदायों के ऊपर अन्याय और अत्याचार हो रहा है । विशेषकर उत्तर प्रदेश के अंदर इस कदर से अन्याय एवं अत्याचार हो रहा है कि एनसीआरबी के डेटा भी कहा रहा है कि अगर कस्टोडियल डेथ सबसे ज्यादा किसी प्रदेश में है तो वह उत्तर प्रदेश के अंदर है ।

सभापति जी, अभी 31 मार्च को ईद के मौके पर मैं अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में था । मैं लोगों को ईद की मुबारकवाद दे रहा था । वहां मेरे पास अचानक सूचना आती है कि हमारे संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ के ही तरवा थाना के ओहनी पट्टी गांव के सन्नी कुमार नाम के एक 22 वर्षीय नौजवान को तीन पहले से ही थाने में बैठा रखा था । सन्नी कुमार दलित समुदाय से आते हैं । न्यायालय का सीधा-सीधा निर्देश है कि 24 घंटे के अंदर चालान होना चाहिए और मसला न्यायालय के सामने जाना चाहिए । उस पर न्यायालय फैसला लेगी, लेकिन उत्तर प्रदेश के अंदर पुलिस तो न्यायालय से भी ऊपर हो गई है । पुलिस तो ईश्वर से भी ऊपर हो चुकी है । पुलिस को कोई भी नियम-कानून और न्यायालय के मार्गदर्शन मान्य नहीं है ।

माननीय सभापति **:** इसमें केंद्र की क्या एकाउंटबिलिटी है?

श्री धर्मेन्द्र यादव : सभापति जी, थाना तरवा के अंदर सन्नी कुमार की हत्या कर दी गई और सूचना क्या दी गई कि लोअर के नाड़े से उसने फाँसी लगा ली ।

सभापति जी, तीन किलोमीटर दूर पर गांव था, लेकिन सन्नी कुमार की हत्या के बाद परिवार के किसी व्यक्ति को सूचना नहीं दी गई । उसके बाद डेड बॉडी सीधे मोर्चुअरी में पहुंचा दी जाती है और स्टोरी बना दी जाती है कि उसने फाँसी लगा ली ।

सभापति जी, मैं मोर्चुअरी के पास जाकर उनके परिवार से मिला । अगर आप भी उनके बारे में सुनेंगे तो एकदम द्रवित हो जाएंगे । वह केवल तीन बहन-भाई है । वह अपने परिवार का अकेला बेटा था । अब दो बहनें बची हुई हैं । उनमें से एक बहन विकलांग है । अब उस परिवार का कोई भविष्य नहीं बचा है । दोनों बहनें बिना शादी के हैं । मैंने अपनी पार्टी की ओर से, हमारे आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने भी कहा कि उस परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिले । सन्नी कुमार के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा मिले । यह हमारी मांग है ।

सभापति जी, मैं आपसे एक और चीज कहूंगा । मैंने कल भी जीरो आवर का नोटिस दिया था । बैलेटिंग में मेरा नाम भी है । दलित समुदाय से जुड़ा हुआ मेरा मुद्दा है । उत्तर प्रदेश के अंदर राज्य सभा के वरिष्ठ सांसद आदरणीय रामजी लाल सुमन जी के घर पर जिस कदर हमला हुआ, उनके ऊपर जानलेवा हमला हुआ ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति**:** आप दो विषय मत लीजिए । आप केवल एक विषय के बारे में बोलिए ।

? (व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव **:** सभापति जी, उनकी आप सुरक्षा तो बढ़ाइए । क्या आप उनकी सुरक्षा नहीं बढ़ाएंगे?? (व्यवधान)

माननीय सभापति**:** धर्मेन्द्र जी, आपकी बात आ गई है ।

? (व्यवधान)